लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 22 March 2023

i-NEXT PAGE 4

विश्व समाज कार्य दिवस का आयोजन

तंजानिया, मॉरीशस, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान से आए स्टूडेंट्स भी मौजूद रहे

LUCKNOW (21 March): एलयू के समाज कार्य विभाग की ओर से राधाकमल मुखर्जी सभागार में कार्यक्रम हुआ. समाज कार्य दिवस इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोशल वर्कर्स की थीम पर बनाया गया. मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं शिक्षा प्रो. पूनम टंडन रहीं. वहीं, विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी व निदेशक अंतरराष्ट्रीय छात्र व सहयोग प्रो. आरपी सिंह मौजूद रहे. प्रो. राज कुमार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. समन्वयक समाज कार्य विभाग, विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने की. अतिथियों नें कहा कि भारत सदैव वसुधैव कुटुम्बकम के भाव में विश्वास करता आया है. अनेकता में एकता ही भारतीयता की पहचान रही है. यह आयोजन निश्चित तौर इसी भाव को एक नव उन्मेष की ओर ले जाएगा. विवि में पढ़ रहे अंतराष्ट्रीय स्टूडेंट्स ने बढ़-चढ़ कर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया. तंजानिया, मॉरीशस, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान से आए स्टूडेंट्स मौजूद रहे.

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया

लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया. इस अवसर पर डीएफओ डा. रवि कुमार ने 'वन की मियावाकी तकनीक' पर व्याख्यान दिया. बताया कि यह जापानी तकनीक है, जिसका उपयोग हरित आवरण बढ़ाने के लिए किया जा सकता है. विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और उसके प्रति जागरूकता पर अपनी बात रखी. इस अवसर पर वन्य जीव विज्ञान संस्थान की समन्वयक प्रो. अमिता कनौजिया, प्रो. मोनिषा बनर्जी, प्रो. शैली मलिक, डा. कल्पना सिंह, डा. अमित त्रिपाठी व अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे.

एलयू में 27 मार्च से खेल प्रतियोगिताएं

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया प्रतियोगिता के पोस्टर का अनावरण

LUCKNOW (21 March) : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में 27 मार्च से खेल प्रतियोगिताएं जेस्ट आयोजित की जाएंगी. लखनऊ यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के तत्वाधान में आयोजित होने वाले खेलों का यह दंगल 27 मार्च से लेकर 12 अप्रैल तक चलेगा. मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रतियोगिता के पोस्टर का अनावरण किया. इस मौके पर विधि संकाय के डीन प्रो. बीडी सिंह और कमेटी के निदेशक प्रो. सतीश चंद्र भी मौजूद रहे. कमेटी के अध्यक्ष डा. उग्रसेन वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में राजधानी के विभिन्न विश्वविद्यालयों एव महाविद्यालयों के अनेकों छात्र एवं छात्राएं शामिल होंगे. इनके बीच क्रिकेट, कबड्डी, वालीबाल, फुटबाल, खो-खो, टेबल-टेनिस सहित 40 से अधिक प्रतियोगिताएं होंगी, जिसमें खिलाड़ी कौशल एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे.

रेगुलर के साथ ही पार्ट टाइम दाखिले

एलयू रेगुलर और पार्ट टाइम पीएचडी के लिए जल्द जारी करेगा शेड्यूल

LUCKNOW (21 March) : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही रेगुलर पीएचडी प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी करेगा. उसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना होगा. इसी साक्षात्कार के साथ ही पार्ट टाइम पीएचडी के लिए अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की प्रक्रिया होगी. इस बार पार्ट टाइम पीएचडी के लिए 16 विषयों में 19 फरवरी तक आवेदन लिए गए थे. इनमें 50 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया होगी. प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया भी रेगुलर पीएचडी वालों के साक्षात्कार के साथ होगी. पार्ट टाइम के लिए सबसे ज्यादा 12 सीटें भौतिक विज्ञान और आठ सीटें अंग्रेजी विषय में हैं. साक्षात्कार संबंधित निर्देश लवि की वेबसाइट पर जारी होंगे.

इन विषयों में होंगे प्रवेश

अंग्रेजी आठ सीटें, फ्रेंच एक, पर्शियन एक, लोक प्रशासन दो, उर्दू एक, हिन्दी तीन, सांख्यिकी आठ, रसायन विज्ञान तीन, भौतिक विज्ञान 12, जंतु विज्ञान तीन, वाणिज्य एक, व्यावहारिक अर्थशास्त्र एक, व्यापार प्रशासन दो, ललित कला चित्रकला एक, अरेबिक/अरब कल्चर में दो सीटें हैं.

इंटरनल के अंक अपलोड करना शुरू

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों के इंटरनल अंक अपलोड करने के लिए पोर्टल खोल दिया है. मंगलवार को केकेसी, अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज, नेता जी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कालेज सहित अन्य कालेजों ने अंक अपलोड करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी. हालांकि अभी अंक भरने के बाद पीडीएफ डाउनलोड होने में दिक्कत आ रही है. डिग्री कालेजों ने अपने यहां इंटरनल की परीक्षाएं तो करा ली थीं, लेकिन लवि का पोर्टल न खुलने की वजह से अंक अपलोड नहीं हो पा रहे थे. अब पोर्टल खुल गया है.

मूट कोर्ट प्रतियोगिता 24 से

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से द्वितीय परिसर में 24 से 26 मार्च तक लखनऊ यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट एसोसिएशन इंटर-सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में एलएलबी तीन व पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे.

प्रयोगात्मक परीक्षा 25 को

लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग ने एमएससी प्रथम सेमेस्टर में प्रयोगात्मक बी की परीक्षा की डेट तय कर दी है. यह परीक्षा 25 मार्च को सुबह 11 बजे से विभाग में होगी. विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया है.

JAGRAN CITY PAGE III

रेगुलर के साथ होंगे पार्ट टाइम पीएचडी के दाखिले

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही रेगुलर पीएचडी प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी करेगा। उसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को विभागीय शोध समिति साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना होगा।

इस बार पार्ट टाइम पीएचडी के लिए 16 विषयों में 19 फरवरी तक आवेदन लिए गए थे। इनमें 50 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया होगी। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया भी रेगुलर पीएचडी वालों के साक्षात्कार के साथ होगी। पार्ट टाइम के लिए सबसे ज्यादा 12 सीटें भौतिक विज्ञान और आठ सीटें अंग्रेजी विषय में हैं। साक्षात्कार संबंधित निर्देश लवि की वेबसाइट पर जारी होंगे।

इन विषयों में होंगे प्रवेश : अंग्रेजी आठ सीटें, फ्रेंच एक, पर्शियन एक, लोक प्रशासन दो, उर्दू एक, हिन्दी तीन, सांख्यिकी आठ, रसायन विज्ञान तीन, भौतिक विज्ञान 12, जंतु विज्ञान तीन, वाणिज्य एक, व्यावहारिक अर्थशास्त्र एक, व्यापार प्रशासन दो, ललित कला चित्रकला एक, अरेबिक/अरब कल्चर में दो सीटें हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

भारतीय परंपरा में काल की संपूर्ण गणना : हृदयनारायण दीक्षित

लविवि में भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता पर हुई परिचर्चा

लखनऊ। विधानसभा अध्यक्ष रहे वरिष्ठ लेखक हृदयनारायण दीक्षित ने कहा कि काल पर जो चिंतन और गणना भारतीय परंपरा में की गई गई है, वह अन्य परंपराओं में नहीं हुई है। ऋग्वेद में काल के बारे में कम लेकिन अथर्ववेद में इस पर व्यापक चिंतन किया गया है। वे मंगलवार को लविवि के चाणक्य सभागार में व्यापार प्रशासन विभाग की ओर से भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि काल के कारण ऋतुएं और त्योहार होते है, काल के कारण ही पेड़ों में फल आते है। जबकि ज्योतिष में ग्रहों की गणना यूं ही नहीं की गई, काल का मूल आधार वेदों में प्रमाणित है। उन्होंने बताया कि ज्योतिष में विज्ञान, धर्म, दर्शन, ज्ञान, पर्यावरण सबका जीवन दर्शन है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि भारत की उत्सव धर्मिता काल के प्रवाह में सतत गतिमान है। संयोजक डॉ. अभिमन्यु सिंह और डॉ. सत्यकेतु ने कहा कि ग्रैगरियन कलेण्डर को लगभग सभी देशवासी मानते हैं लेकिन हिंदू धर्म के सभी त्योहार तिथि से ही मनाए जाते हैं। प्रो. अरविंद अवस्थी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। 125 शोधार्थियों व 40 से अधिक शिक्षकों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। प्रो. सर्व नारायण झा, डॉ. प्रवेश व्यास, डॉ. अनिल पोरवाल मौजूद रहे। (संवाद)

24 से मूटकोर्ट प्रतियोगिता

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय की ओर जानकीपुरम स्थित न्यू कैंपस के विधि संकाय में 24 से 26 मार्च के बीच इंटर सेमेस्टर मूटकोर्ट प्रतियोगिता होगी। विभागाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में विधि संकाय के पंचवर्षीय व त्रिवर्षीय कार्यक्रमों के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में होगी सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

विधि संकाय की तैयारियां पूरी, 24 से 26 तक होगा आयोजन

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वितीय परिसर स्थित विधि संकाय में मूट कोर्ट एसोसिएशन इंटर-सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता 24 मार्च से 26 मार्च के बीच आयोजित कराने जा रहा है। जिसमें विधि संकाय के पंच वर्षीय और त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं विधि छात्रों को कुशल विधि व्यवसायी बनने में सहायता प्रदान करती हैं । विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. बंशीधर सिंह के कुशल मार्ग दर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।

एकेडमिक एंड कल्चर कार्निवाल का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग एकेडमिक एंड कल्चर कार्निवाल नामक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बार का समाज कार्य दिवस इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोशल वर्कर्स द्वारा निर्धारित थीम : 'रेस्पेक्टिंग डाइवर्सिटी थ्रू जॉइंट सोशल एक्शन' पर मनाया गया।

PIONEER PAGE 3

27 मार्च से न्यू कैम्पस में शुरू होगा खेलों का दंगल

लखनऊ। जानकीपुरम स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में एक बार पुनः खेल के विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। लखनऊ यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के तत्वाधान में आयोजित होने वाले खेलों का यह दंगल 27 मार्च से लेकर 12 अप्रैल तक चलेगा। जिसमें राजधानी के विभिन्न विश्वविद्यालयों एव महाविद्यालयों के अनेकों छात्र एवं छात्राएं 40 से अधिक प्रतिस्पर्धाओं जैसे क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो.खो, टेबल-टेनिस इत्यादि में अपने. अपने कौशल एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसी परिपेक्ष्य में आज कमेटी के डायरेक्टर प्रोफेसर सतीश चंद्र एवं अध्यक्ष डॉ उग्रसेन वर्मा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अलोक कुमार राय से मुलाकात कर खेल प्रतियोगिता जेस्ट के पोस्टर का अनावरण कराया।

DAINIK JAGRAN PAGE 12

फिक्र छोड़िए, हंसने-हंसाने के बहाने ढूंढ़िए

लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्व खुशी दिवस पर हैप्पी थिंकिंग लैब में अलग-अलग गतिविधियों के अभ्यास से खुशी के पल तैयार करते विद्यार्थी • सौजन्य: लवि

जासं, लखनऊ : दिन में एक ठहाका तो लगना ही चाहिए। अब देखते हैं हंसी की रेस में सबसे अधिक समय तक किसका ठहाका गूंजता है। अरे! ये क्या बस मुस्कुरा रहे हैं, आज मंद-मंद मुस्कुराने से बातें नहीं बनेगी। फिर क्या था, ऐसे ठहाके गूंजे कि चेहरे पर हर तरह की थकावट दूर हो गई। हंसने और ठहाके से खुशी बांटने का ऐसा अभ्यास मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी में किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने अपने खुश होने के पल को साझा किया, साथ ही छोटी-छोटी गतिविधियों से खुश होने तरीका भी बताया।

विश्व खुशी दिवस पर इस लेबोरेटरी में करीब 20 छात्र-छात्राओं की टोली ने गुब्बारे पर स्माइल लगाए, फिर मोर पंख को अपनी अंगुलियों के बीच में रखकर उसमें संतुलन बनाते हुए अपने साथियों को हंसने का मौका दिया। फिर बारी रही टंग ट्विस्ट की, जिसमें चमन के भाई चमन, चमन की मम्मी चमन, चमन की बहन चमन..., चंदू के चाचा ने चंदू की चाची... जैसे वाक्यों को तेजी से बोलते हुए बीच में अटके तो फिर लगा ठहाका। हंसने हंसाने की कई गतिविधियों को करने के साथ मंच पर मुस्कुरा रहीं डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन से एक छात्रा ने पूछा कि उनकी खुशी का क्या राज है, जिस पर प्रो. टंडन बोलीं, नजरिया ही खुशी देता है। जैसा आप हैं उसी में खुशी का कारण तलाशना होगा। कला संकाय के प्रो. अरविंद अवस्थी ने युवाओं को सुझाव दिया कि मेहनत से पढ़िए, अपने कौशल को बढ़ाते हुए अपने काम में रमिए तो खुशी मिलती रहेगी। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी एंड काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा प्रधान ने कहा कि उम्र के साथ खुशी के मायने भी बदलते रहते हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

काल ही नियंता व निर्णायक : हृदय नारायण दीक्षित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के चाणक्य सभागार में व्यापार प्रशासन विभाग में भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता के संदर्भ में एक दिवसीय मंगलवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन दीप प्रज्वलन व मंगलाचरण संयम बाजपेयी तथा निखिल शुक्ल ने किया और अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक डॉ अभिमन्यु सिंह एवं डॉ. सत्यकेतु ने गीता ग्रंथ व भारतीय कैलेंडर देकर किया।

विषय प्रवर्तन रखते हुए डॉ. सत्यकेतु ने कहा कि ग्रैगरियन कलेण्डर को लगभग सभी मानते है लेकिन हिंदू धर्म के सारे त्योहार तिथि से ही मनाये जाते है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान के पूर्व सचिव प्रो. ओम प्रकाश पांडेय ने काल की महत्ता का बखान करते हुए कहा कि काल संस्कृत की कल धातु से बना है। काल बड़ा है लेकिन काल से भी बड़े महाकाल है। मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने काल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि काल पर जो चिंतन व गणना भारतीय परंपरा में हुआ है वह अन्य परंपराओं में नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद में काल के बारे में थोड़ा लेकिन अथर्ववेद में व्यापक चिंतन किया गया है। काल के कारण ऋतुयें, काल के काल व्रत-त्यौहार होते है, काल के कारण पेड़ों में फल आते है, काल के कारण ही सब कुछ होता है। ज्योतिष में ग्रहों की गणना यूं ही नहीं की गयी बल्कि इसका मूल आधार वेदों में मिलता, ज्योतिष में विज्ञान है, धर्म है, दर्शन है, ज्ञान है, पर्यावरण आदि बहुत कुछ है। काल ही नियंता व निर्णायक है, काल के रथ पर ज्ञानी ही बैठ सकते है। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस में भारत के नायक श्रीराम ने नियतिवाद व कर्मवाद दोनों को महत्ता दी है। उन्होंने गीता के श्लोक परिप्रश्नेन सेवया का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान कोष में प्रश्नों की महत्ता है। काल के तीन खंड है भूत, वर्तमान और भविष्य। भूत हमारी स्मृतियां है, वर्तमान हमारा चिंतन है और भविष्य हमारी योजनायें है। अध्यक्षीय उद्बोधन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा भारत एक उत्सव धर्मी देश है। भारत की उत्सव धर्मिता काल के अनादि प्रवाह में सतत गतिमान है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी ने दिया। मंच का संचालन डॉ अशोक शतपथी ने किया। इस अवसर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। लगभग 125 शोध छात्रों तथा 40 से अधिक शिक्षकों ने अपने विशिष्ट शोधपत्रों को प्रस्तुत किया।

TOI PAGE 3

'Right perspective can help find happiness in everything'

Priyanshi Mishra | TNN

LU celebrates International Happiness Day on Tuesday with gaiety

Lucknow: From tongue twisters to 'loudest laugh' and dumb charades, students of Lucknow University celebrated International Happiness Day on Tuesday with fun and gaiety.

Organised by the Happy Thinking Laboratory (HLT) in collaboration with the Institute of Women's Studies (IWS) and National Cadet Corps at ONGC building, the event also witnessed students sharing their experiences about what makes them happy.

The event commenced with students participating in a 'tongue twisters' contest followed by the 'Loudest Laugh' competition and dumb charades. Winners were felicitated later.

Chief guest of the event, dean student welfare Prof Poonam Tandon said happiness can be found in everything with the right perspective. Guest of honour dean of arts Prof Arvind Awasthi said that students should choose the profession they enjoy for being happy in life.

Director HLT Prof Madhurima Pradhan and IWS coordinator Manini Srivastava were also present on the occasion.

Students were also informed about how instruments such as Triple Physiology Sensor (TPS), computer-based cognitive screening system and biofeedback machinery in the lab are used for the benefit of students.

The General Assembly of the United Nations in 2012 proclaimed March 20 to be celebrated as the International Day of Happiness every year to recognize the relevance of happiness and well-being as universal goals.

NBT PAGE 4

एलयू: न्यू कैंपस में 27 से खेल महाकुंभ का आगाज

■ एनबीटी सं., लखनऊ

एलयू के न्यू कैंपस में 27 मार्च से खेल महाकुंभ का आगाज होगा। 12 अप्रैल तक चलने वाले महाकुंभ के पोस्टर 'जेस्ट' का मंगलवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने अनावरण किया। इसमें विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के विद्यार्थी क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो-खो, टेबल-टेनिस समेत 40 से अधिक खेल प्रतियोगिताओं में शिरकत करेंगे।

24 से इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता : एलयू द्वितीय परिसर में विधि संकाय की मूट कोर्ट असोसिएशन की तरफ से इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता 24 से 26 मार्च तक होगी। इसमें विधि संकाय के विद्यार्थी शिरकत करेंगे।

'वसुधैव कुटुम्बकम पर भरोसा': एलयू में समाज कार्य दिवस पर मंगलवार को राधाकमल मुखर्जी सभागार में 'एकयम्' का आयोजन हुआ। इस मौके पर 'रेस्पेक्टिंग डाइवर्सिटी थ्रू जॉइंट सोशल एक्शन' थीम पर मुख्य अतिथि डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारत सदैव वसुधैव कुटुम्बकम के भाव में विश्वास करता आया है। अनंत काल से ही अनेकता में एकता ही हमारी पहचान रही है। इस मौके एचओडी प्रो. अनूप कुमार भारतीय, प्रो. राज कुमार सिंह, प्रो. अरविंद अवस्थी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

'तेजी से बढ़ते हैं मियावाकी वन': एलयू के जंतु विज्ञान विभाग में एलयू वाइटल जूलॉजिकल सोसायटी और उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की तरफ से मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर कार्यक्रम हुए। मुख्य अतिथि डीएफओ डॉ. रवि कुमार ने बताया कि मियावाकी तकनीक वनीकरण की जापानी विधि है। इसका उपयोग हरित आवरण बढ़ाने में किया जाता है। मियावाकी वन बहुत तेजी से बढ़ते हैं। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. सेराजुद्दीन और प्रो. अमिता कनौजिया ने वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण पर विचार रखे।